Human Resource Development Center, Integral University successfully organized its 9th Program

on

"Academic Leadership"

(April 9–12, 2018)

Human Resource Development Center, Integral University under the aegis of UGC-HRDC Aligarh Muslim University, Aligarh successfully organized its 9th training program on Academic Leadership (April 9–12, 2018), under the banner of Centre for Academic Leadership and Education Management (CALEM), Ministry of Human Resource Development, Government of India.

In the inaugural session, Dr. Syed Aqeel Ahmad, Director HRDC, Integral University welcomed the participants and also wished them success in their course pursuit. In his welcome address, he said that leadership and learning are inseparable and the essence of leadership is to have a broader vision for greater future. **Prof. A R Kidwai, Director HRDC** AMU said that the teachers are the paramount pillars of any institution, the universities are known by its teachers and not anything else, the teachers are the architect of community and biologist of culture. He further added that academic leadership depends on research and excellence in learning and teaching skills. He pointed out at social cohesion of the teachers during the program. He advised to develop a class-room culture. Prof. Basheer A Khan, advisor to the Chancellor, Integral University and former Vice-Chancellor, Jharkhand University said that the other part of the world has gone a long way in science and technology with innumerable discoveries, he insisted on research, teaching and excellence.

In the Valedictory Session, Prof. Syed Aqeel Ahmad, Director HRDC, Integral University said that teaching across the globe has for some time been a less vital business than research and we have to realize the humane and noble aspirations envisioned by our nation's founding fathers. Dr. Aqeel congratulated the participants and wished them good luck for their future endeavors.

Dr. Sayed Nadeem Akhtar, Director Planning and Research distinguished between intrinsic and extrinsic motivation. He also added that leaders must not wait to have an official designation; they must act like a leader and there should be volunteered leadership as well. He highly stressed on demonstration of excellence. Prof. AP Vijapur, Chairperson

Department of Political Science, AMU described the traits of effective leadership and also gave expert opinion on teaching and learning process, especially the e-ways of knowledge hunting.

The guest of the honor of the session, Prof. Aqil Ahmad, Controller of Examinations, Integral University mesmerized the audience by his poetic, jovial and short interaction. The participants came from more than 20 institutions. At the end Mr. Zeeshan Raza Khan, Dy. Director, HRDC proposed the vote of thanks.

मानव संसाधन विकास केंद्र, इंटीग्रल विश्वविद्यालय ने "शैक्षणिक नेतृत्व" पर आधारित अपने 9 वें प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक किया ।

यूजीसी-एचआरडीसी अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ ने शैक्षणिक नेतृत्व और शिक्षा प्रबंधन (सीएएलईएम), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के बैनर के तहत, शैक्षणिक नेतृत्व (9-12 अप्रैल, 2018) पर अपना 9 वें प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

उद्घाटन सत्र में, डॉ० सैयद अकील अहमद, एचआरडीसी निदेशक, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और उनकी सफलता की कामना भी की। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने कहा कि नेतृत्व और सीखना अविभाज्य है और कहा कि नेतृत्व का सार भविष्य के लिए व्यापक दृष्टिकोण रखता है। एचआरडीसी एएमयू के निदेशक प्रोफेसर ए आर किदवई ने कहा कि शिक्षक किसी भी संस्था के सर्वोच्च स्तंभ होते हैं, विश्वविद्यालय किसी और चीज़ की वजह से नहीं अपितु अपने शिक्षकों द्वारा जाना जाता है, शिक्षक समुदाय के वास्तुकार और संस्कृति के जीववैज्ञानिक हैं। उन्होंने आगे कहा कि शैक्षिक नेतृत्व , सीखने और शिक्षण में शोध और उत्कृष्टता पर निर्भर करता है। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों के सामाजिक सामंजस्य पर ध्यान दिया। उन्होंने एक क्लासरूम संस्कृति विकसित करने की सलाह दी। कुलपति इंटिग्रल यूनिवर्सिटी के सलाहकार एवं झारखंड विश्वविद्यालय के पूर्व उप-कुलपति प्रोफेसर बशीर ए खान ने कहा कि दुनिया का दूसरा भाग असंख्य खोजों के साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी में काफी लंबा सफर तय कर चुका है, उन्होंने अनुसंधान, शिक्षण और उत्कृष्टता पर जोर दिया। ।

वैलिडेक्टरी सत्र में, एचआरडीसी के निदेशक प्रो सैयद अकील अहमद ने कहा कि दुनिया भर में पढ़ाने के लिए कुछ समय से शोध की तुलना में एक कम महत्वपूर्ण कार्य रहा है और हमें हमारे देश के संस्थापक पिता द्वारा कल्पना की गई मानवीय और महान आकांक्षाओं का एहसास करना होगा। डा० अकील ने प्रतिभागियों को बधाई दी और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामना की।

डॉ सय्यद नदीम अख्तर, निदेशक योजना और अनुसंधान ने आंतरिक और बाहरी प्रेरणा के बीच फर्क़ बताया । उन्होंने यह भी कहा कि एक लीडर को आधिकारिक पद के लिए इंतजार नहीं करना चाहिए; उन्हें एक नेता की तरह कार्य करते रहना चाहिए और इसके साथ-साथ स्वयंसेवी नेतृत्व भी होना चाहिए। उन्होंने उत्कृष्टता के प्रदर्शन पर अत्यधिक जोर दिया। प्रोफेसर एपी विजापुर, राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष, एएमयू ने प्रभावी नेतृत्व के लक्षणों को वर्णित किया और शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया पर विशेषज्ञ राय भी दी, विशेष रूप से ज्ञान शिकार के इलेक्ट्रॉनिक-तरीके।

सत्र के सम्मानीय अतिथि, प्रो० अकील अहमद, परीक्षा नियंत्रक, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने उनके काव्य, उत्साही और लघु बातचीत से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। 20 से अधिक संस्थानों से आए हुए प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया था । अंत में श्री जीशान रजा खान, उपाध्यक्ष निदेशक, एचआरडीसी ने धन्यवाद शब्द कहे ।